

2031

M. Ed. (General)-1st Semester
Paper-I (C01-PIE-I): Perspective in Education-I
(In all mediums)

Max. Marks: 70

Time allowed: 3 Hours

NOTE: Attempt five questions in all, including Question No. IX (Unit-V) which is compulsory and selecting one question each from Unit I-IV.

--*

UNIT-I

- I. Discuss the concept of education and critically analyse education as a discipline and area of study. (14)
- II. What are the national values enshrined in the Constitution? How do aims of education emanate from them? (14)

UNIT-II

- III. What is epistemology? Discuss the methods of acquiring valid knowledge w.r.t. logical analysis. (14)
- IV. What is axiology? Can axiological issues be separate from education? Why? (14)

UNIT-III

- V. Explain the functionalist perspective of sociology of education. How is it different from other perspectives? (14)
- VI. What are the determinants of social change? Explain education as an agency of social change. (14)

UNIT-IV

- VII. What is social equity? Discuss equity w.r.t., equality of educational opportunities for the disadvantaged sections of the society. (14)
- VIII. What is social stratification in Indian Society? Discuss role of education in creating social mobility across this stratification. (14)

UNIT-V

- IX. Write brief notes on:-
 (a) Principles of education
 (b) Constructivism
 (c) Contemporary challenges in secondary education
 (d) Modernisation (4x3½)

--*
(Hindi and Punjabi versions enclosed)

P.T.O.

(2)

नोट: निम्नी पैच प्रश्नों के उत्तर हैं। प्रत्येक भाग (1-4) से एक-एक प्रश्न का चयन करें। प्रश्न-9 (भाग-5) अनिवार्य है।

* * *

भाग-1

- गिराव की अवधारणा की व्याख्या कीजिए और अध्ययन क्षेत्र के काप में शिक्षा का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।
- सांविधान में प्रतिक्रिया दादीय मूल्य क्या है? उनमें शिक्षा का उद्देश्य कैसे प्रकट होते हैं?

भाग-2

- गान्धीमासा क्या है? राजिक विश्लेषण के संरप्त में वैष्णव ग्रन्थ करने के नियमों पर चर्चा करें।
- मूल्य मीमांसा क्या है? क्या मूल्य मीमांसा मुहे शिक्षा से अलग हो सकते हैं? क्यों?

भाग-3

- शिक्षा के समाजशास्त्र के ज्याहात्मक परिप्रेक्ष्य की व्याख्या करें। यह अन्य दृष्टिकोणों से कैसे भिन्न है?
- सामाजिक परिवर्तन के निषाक क्या है? शिक्षा की सामाजिक परिवर्तन की एक एजेंसी के रूप में व्याख्या करें।

भाग-4

- सामाजिक निष्पत्ति क्या है? समाज के विविध वर्गों के लिए ऐसिक अवसरों की समानता के संबंध में विषयात्मक की व्याख्या कीजिए।
- भारतीय समाज में सामाजिक स्तरीकरण क्या है? इस स्तरीकरण के से सामाजिक गतिशीलता इनाम में शिक्षा की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

भाग-5

- यहाँ उपर्युक्त कीजिए-

- (अ) शिक्षा के सिद्धान्त
- (ख) राजनीतिकताएँ
- (ग) सामाजिक शिक्षा में समकालीन चुनौतियाँ
- (घ) आधुनिकीकरण

* * *

(3)

नोट: प्रश्न नंबर 9 (भाग-5) लाजमी है अतः भाग (1-4) विच एक-एक प्रश्न दी देख बढ़ावे होते सारिआ विच दृंग पैस प्रश्न लड़े।

* * *

भाग-1

- मिथिला दे संबलप चर्चे विचार दटादरा बठे अउ अधियेन दे दिमा अउ धेड़द दे उंच ते मिथिला दा आलैलात्मक उंच ते दिमासद बठे।
- संविधान विच दरम रास्टरी बदरा बीमता बी हन? दुना ते मिथिला दे दुटेज विच पूर्वट दुटे हन?

भाग-2

- गिराव विकिराल बी है? उत्तरवरील दिमासद दे संबंध विच दंप लिखा न पूर्वट बठन दे उटीविच चारे विचार बठे।
- मुख भीमामा बी है? बी भेल भीमामा भेटे मिथिला ते दूर हे सबदे हन? विचु?

भाग-3

- मिथिला दे समाज समउठ दे बालहील नहरोदे दी विभाइला बठे, दिच हेर पछिभू ते विच दैनद है?
- समाजिक उच्चाली दे लिहाइब बी हन? मिथिला दी समाजिक उच्चाली ही एनेसी दे उंच ते विभाइला बठे।

भाग-4

- समाज निरपेक्षता क्या है? समाज दे पहाड़े उठड़े लही विभिन्न मैत्रियों दी धराघरी दे संबंध विच लिरपेक्षता चारे विचार दटादरा बठे।
- उत्तरामी समाज दिच समाजिक पर्यव दा बी दुटा है? इस पैरपर 'ते समाजिक गाड़ीलालज धेट लड़द विच मिथिला दी दुमिला चारे चरदा बठे।

भाग-5

- संसिप टिप्पेणी बठे-
 - (अ) मिथिला दे सिपाड़
 - (ख) मिरमलात्मकवाद
 - (ग) संबैद्धली मिथिला विच समकाली दुईजीग
 - (घ) अपुलिलीत्तरद

* * *